(a+b+c+d)
AP-7

दृष्टि The Vision

सामान्य अध्ययन (टेस्ट - III)

GENERAL STUDIES (Test - III)

मॉड्यूल - III / Module - III

DTVF/17–M–GS3

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time allowed: Three Hours

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: 250

नाम (Name): Bikram Gangwar

क्या आप इस बार मुख्य परीक्षा दे रहे हैं? | हाँ | ✓ | नहीं | |

मोबाइल नं. (Mobile No.):

ई-मेल पता (E-mail address):

टेस्ट नं. एवं दिनांक (Test No. & Date): III - 13/8/2017

रोल नं. [यू.पी.एस.सी. (प्रा.) परीक्षा-2017] [Roll.No. UPSC (Pre) Exam-2017]:

परीक्षा का माध्यम (Medium of Exam.): Hindi

विद्यार्थी के हस्ताक्षर (Student's Signature): Bikram

नोट: प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश अंतिम पृष्ठ पर संलग्न है।

Evaluation Analysis

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

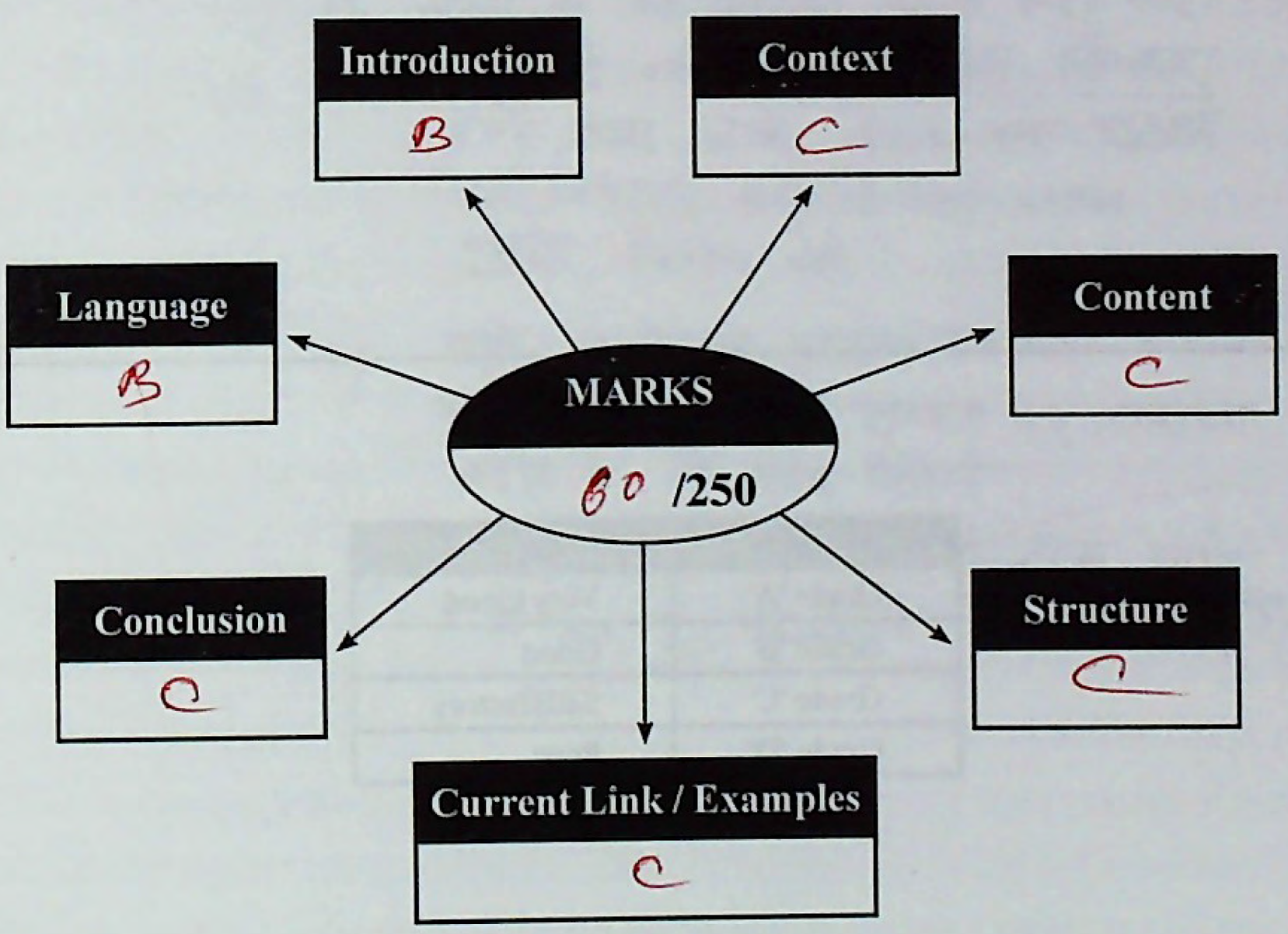

A3

व्यापक विश्लेषण / Macro Analysis

- विषय वस्तु का अद्यतन करें।
- सभी पक्षों की संतुलित चर्चा करें।
- स्पष्ट लिखें।
-

Grade Card	
Grade 'A'	Very Good
Grade 'B'	Good
Grade 'C'	Satisfactory
Grade 'D'	Poor

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

1. हाल के दिनों में कुछ भारतीय नदियों को जीवित इकाई (Living enties) की प्रास्थिति प्रदान करने के क्या निहितार्थ हैं? यह नदियों के प्रदूषण की रोकथाम एवं उनके पारिस्थितिकी संरक्षण में किस सीमा तक सहायक सिद्ध होगी? (250 शब्द) 12.5

What are the implication of providing the living entity status to some Indian rivers in recent times. To what extent it would be helpful in preventing pollution of rivers and its ecological conservation? (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

वर्तमान संपोषणीय विकास की परिकल्पना के अन्तर्गत नदियों की स्वच्छता एवं संधारणीयता के लिए अनेक प्रयास जैसे गंगा एक्शन प्लान, नमामि गंगे आदि परियोजनाएं शुरू की गई हैं। नदियों का हमारे सामाजिक एवं आर्थिक जीवन में अत्यधिक महत्व है तथा उनको रक्षित करने के लिए इनको 'जीवित इकाई' का दर्जा दिया गया है।

- वर्तमान में गंगा, नर्मदा आदि को 'जीवित इकाईयों' का दर्जा दिया गया है। यमुना एवं सहायक नदियाँ

जीवित इकाई का दर्जा प्रदान करने के लाभ:

1) नदियों को यह प्रस्थिति प्रदान करने पर उनके भी व्यक्तियों के समान अधिकार होगें तथा उनके दोहन एवं प्रदूषण पर नियंत्रण करने के लिए न्यायालय उपलब्ध होगें।

2) इससे न केवल प्रदूषण कम करने में मदद मिलेगी बल्कि स्वच्छता हेतु जागरूकता बढ़ाने में भी मदद मिलेगी

3) हमारी परंपराओं में वैसे भी नदियां पूजनीय हैं अत, इन मान्यताओं का स्वीकरण ही है.

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

नदियों के संरक्षण में लाभ :-

1) अवशिष्ट प्रबंधन, वाहित मल को बिना शुद्ध किये नदियों में प्रवाहित करने पर जुर्माना एवं जेल। नियम तो पहले से इस क्षेत्र में थे किन्तु 'जीवित इकाई' का दर्जा देने से इनमें ~~सख्ती~~ प्रभाविता आयेगी।

2) जैसे व्यक्ति की गरिमा होती है उसी प्रकार नदियों की स्वच्छता एवं सुन्दरीकरण पर बल

इस प्रकार उपरोक्त विवरण से यह स्पष्ट है कि नदियों को जीवित इकाई का दर्जा देने से उनके अनुरक्षण में मदद मिलेगी लेकिन साथ ही हमें निम्न कदमों को भी उठाना होगा -

1) स्थानीय जनता एवं सरकारों का नदी संरक्षण में सहभागिता
जैसे गंगा एक्शन टास्क फोर्स

2) प्रदूषक इकाईयों को दूर प्रतिस्थापित करना अथवा तकनीकी के प्रयोग से प्रदूषकों का निम्नीकरण करना.

3) लोगो में जागरूकता का विकास करना ताकि धार्मिक कर्मकाण्डों के साथ नदी के संरक्षण को भी मान्यता दें।

4) नदी घाटी प्राधिकरण के साथ सरकारों का समन्वय

उपरोक्त से स्पष्ट है कि उपरोक्त कदम उठाने पर ही हम नदियों की प्रभावी संरक्षण को सुनिश्चित कर पायेंगे।

• नदी के प्राकृतिक बहाव सुनिश्चित
• अवैध निर्माण पर रोक
• सामान्य धर्म एवं सिविल सोसाइटी की जागरूकता।

न्यायालय के निर्णय के सर्वोपयोग के समक्ष चुनौतियों का भी वर्णन करें।

4

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

2. क्या कारण है कि भारत का पूर्वी तट उसके पश्चिमी तट की अपेक्षा चक्रवात से अधिक प्रभावित रहता है? ऐसे चक्रवातों के जनन में हिन्द महासागर की तटीय संरचना की क्या भूमिका होती है? (250 शब्द) 12.5

What are the reasons that the eastern coast of India is more affected by cyclone than its western coast. What is the role of coastal structure of the Indian Ocean in genesis of such cyclones? (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

भारत एक प्रायद्वीपीय देश है जिसमें इसका पूर्वी तट चक्रवातों के लिए सुभेद्य है। इसके निम्न कारण हैं

1) भारत उष्णकटिबंधीय क्षेत्र में आता है जहां उष्णकटिबंधीय चक्रवात बनते हैं जिनके निर्माण के लिए विशाल समुद्र की आवश्यकता होती है। ~~यह चक्रव~~ पूर्वी तट पर बंगाल की खाड़ी के रूप में यह भौगोलिक दशा प्राप्त होती है।

जबकि पश्चिमी तट में अरब सागर में चक्रवातों का निर्माण कम होता है। और उनका प्रभाव भी व्यापारिक पवनों के कारण भारतीय तट पर नहीं होता।

कारणों को और स्पष्ट करें।

2) भारत व्यापारिक पवनों के क्षेत्र में आता है जहां वायु पूर्व से पश्चिम की ओर चलती है अतः पूर्वी तट ही ज्यादा प्रभावित होता है। जबकि चक्रवातों को स्थल पर आने पर चक्रवात कमजोर हो जाते हैं अतः पश्चिमी तटों पर इसका प्रभाव नगण्य हो जाता है। ?

3) उष्णकटिबंधीय चक्रवात जल के ऊपर मजबूत होते हैं अतः पूर्वी तटों पर इनकी विनाशकता ज्यादा होती है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

हिन्द महासागर की तटीय संरचना की भूमिका :-

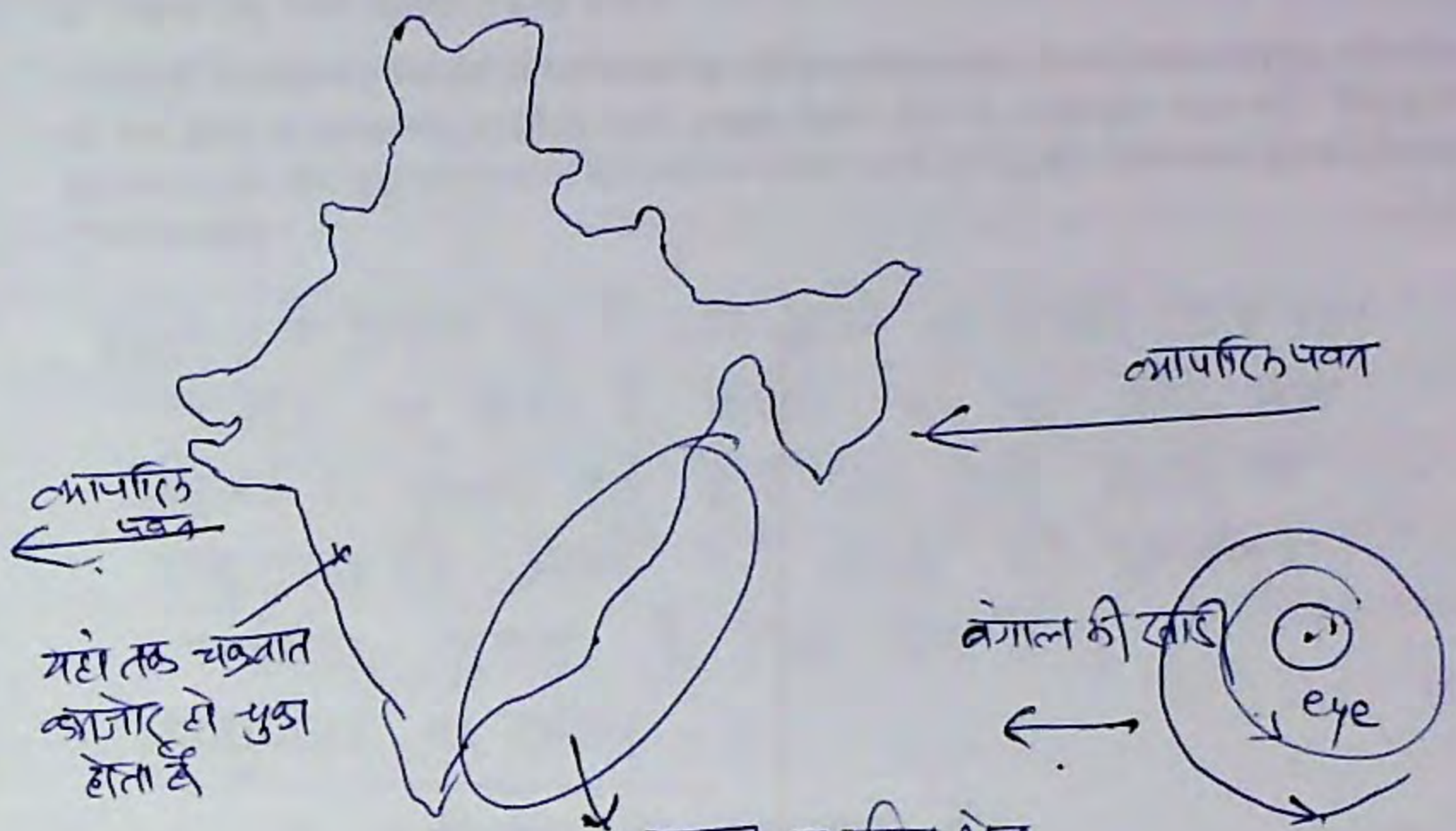

1) उष्णकटिबंधीय चक्रवातों की उत्पत्ति के लिए अधिक तापमान की आवश्यकता होती है। जो कि हिन्द महासागर के रूप में इसे प्राप्त होता है क्योंकि हिन्द महासागर द्वीपों के कारण लगभग सभी तरफ स्थल से घिरा है इसलिए तापमान में कमी नहीं हो पाती (बंगाल की खाड़ी था)

और स्पष्ट करें

उपरोक्त से स्पष्ट है कि चक्रवातों की उत्पत्ति के लिए प्राकृतिक भौगोलिक कारक तो जिम्मेदार है ही साथ में मानवीय कारक जैसे वैश्विक तापन के कारण भी चक्रवातों की निरंतरता में वृद्धि हुई है। अतः हमें मानवीय कारकों को कम करने के साथ ही साथ आपदा प्रबंधन के प्रभावी कदम भी सुनिश्चित करने होंगे।

अनिश्चितता

3

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

3. "भारत का पशुपालन क्षेत्र सामाजिक-आर्थिक सुरक्षा का प्रमुख घटक होते हुए भी बहुविध कारणों से अपनी क्षमताओं का सम्यक दोहन नहीं कर पाता है।" उक्त कथन की व्याख्या करते हुए इस क्षेत्र के उन्नयन हेतु उपाय सुझाएँ। (250 शब्द) 12.5

"Animal husbandry sector of India being a key component of socio-economic security do not able to properly exploit own capabilities due to multiple reasons." Suggest measures for the upgradation of this sector while explaining the statement given above. 12.5
(250 words)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

भारत कृषि प्रधान देश है जहाँ कृषि का लगभग 55% भाग मानसून पर निर्भर है क्योंकि यहां पर कोई अन्य सिंचाई के साधन नहीं है। अत, ऐसी स्थिति में पशुपालन ही वंचितों एवं इसके सामाजिक आर्थिक सुरक्षा के प्रमुख घटक है।

पशुपालन का महत्व -

1) कृषि पर बोझ कम करते हैं।
2) बाढ़, सूखा आदि स्थिति पर आर्थिक आय के स्रोत जैसे दूध, घी, अण्डे, मांस आदि
3) खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं। साथ ही खाद्य की गुणवत्ता भी बढ़ाते हैं। प्रोटीन के प्रभावी स्रोत होने के कारण.
4) कृषि के लिए खाद (गोबर), हल (बैल) उपयोगी
5) जैविक कृषि की नई संकल्पना के अनुकूल

सामाजिक-आर्थिक महत्व को और स्पष्ट करें।

इस प्रकार हम देखते हैं कि. पशुपालन हमारी ग्रामीण भारत के लिए सामाजिक एवं आर्थिक सुरक्षा के हिसाब से महत्वपूर्ण है फिर भी अपार संभावनाओं के बावजूद इसका वांछित विकास नहीं हुआ है जिसके निम्न कारण हैं -

1) भारत में अधिकांश किसान सीमांत है अत: उनके पास पशुपालन में निवेश करने की क्षमता नहीं है।
2) देशी नस्लों में सुधार नहीं किससे कम उत्पादन क्षमता

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

3) पशु स्वास्थ्य संस्थानाओं का अभाव (BAIF इत्यादि)

4) Artificial insemination के लिए उच्चस्तरीय संस्थाएं एवं प्रशिक्षित कर्मियों का अभाव

5) चारे की गुणवत्ता कम

6) बीमारियों से बचने के लिए टीकाकरण का व्यापक कवरेज नहीं

ग्रामीण आधारभूत संरचना एवं उचित विपणन समर्थन का अभाव

इस प्रकार उपरोक्त कारणों के कारण भारत पशुओं की सर्वाधिक संख्या होने के बावजूद उत्पादकता के मामले में पीछे है। अतः इसमें ध्यान देने की आवश्यकता है।

सुधार के लिए सुझाव -

1) पशु स्वास्थ्य एवं कृत्रिम insemination के लिए प्रभावी ढांचा तैयार करना
2) पशुओं की नस्लों को सुधारने हेतु प्रयत्न करना
3) देशी प्रजातियों का विकास (गोकुल योजना)
4) मांस आदि के Processing (प्रसंस्करण) के लिए आधारभूत सुविधाओं को बढ़ाना
5) टीकाकरण का बढ़ाना

• वित्तीय सहायता
• चारा बैंक
• जलवायु परिवर्तन के प्रभावों का अध्ययन
• वित्तीय सहायता एवं विपणन समर्थन

इस प्रकार उपरोक्त माध्यमों से हम पशुपालन को भारतीय अर्थव्यवस्था के साथ ही साथ समाज के विकास के लिए और प्रभावी बना सकते हैं।

5 1/2

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

4. "जलवायु परिवर्तन ने भरतीय मानसून को परिवर्तित कर दिया है फलतः यहाँ की भूमि, प्रजातियाँ तथा जनसंख्या प्रभावित हुई है।" परीक्षण कीजिये। (250 शब्द) 12.5

"Climate Change has altered Indian mansoons and consequently, affected its land, species and people." Examine. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

भारतीय कृषि को मानसून का जुआ कहते है। वर्तमान वैश्विक तापन एवं जलवायु परिवर्तन के अन्य कारकों यथा अल-नीनो, ला नीना ने भारतीय मानसून में अनिश्चितता को और भी बढ़ा दिया है। परिणामस्वरूप जलवायु आधारित कृषि होने के कारण यहां के लोग, यहां के संसाधन, अत्यधिक प्रभावित हुई है।.

भूमि :- मानसून की अनिश्चिता के कारण जहां बाढ़ आदि के कारण भूमि का अपरदन बढ़ जाता है वहीं सूखे आदि के कारण भूमि की उर्वरा शक्ति कम हो जाती है।

प्रजातियां : मानसून परिवर्तन के कारण वनस्पतियों पर विपरीत प्रभाव पड़ने के कारण उन पर निर्भर प्रजातियां चाहे वह मनुष्य हो या अन्य प्राणी वे विपरीत रूप से प्रभावित हुए है। जैसे पहाड़ों पर कम वर्षा के कारण Tree line ऊपर होने के कारण जंगली जानवरों का नीचे उतर आना इत्यादि

- सूखे के कारण दावानल जैसी घटनाएं जिससे जैव विविधता को हानि होती है।

जनसंख्या : मानसून के अनिश्चित होने पर कृषि पर विपरीत प्रभाव पड़ता है अत: कृषकों में आत्महत्या (सूखे के काल), खाद्य सुरक्षा को लेकर, भुखमरी, कुपोषण इत्यादि की घटनाएं बढ़ती है जिससे

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

एक ओर प्रत्यक्षत: किसान प्रभावित होते है लेकिन अप्रत्यक्षत: शहरी जनसंख्या एवं राज्य भी प्रभावित होता है जैसे

- रोजगार के लिए प्रवसन → मलिन बस्ती शहरों में शहरी व्यवस्था पर अतिरिक्त बोझ
- खाद्यान्न सुरक्षा सुनिश्चित करने में कठिनाई अत: खाद्यान्न आयात करना पड़ता है जिससे राजकोष पर अतिरिक्त बोझ पड़ता है
- राजनैतिक प्रभाव · सूखा, बाढ़ आदि कारणों से आधारभूत संरचनाओं को हानि पहुंचने के कारण असंतोष उपजता है एवं नक्सलवाद, क्षेत्रवाद जैसी कुप्रथाओं को बल मिलता है

अत: उपरोक्त से स्पष्ट है कि मानसून न केवल कृषि को बल्कि पूरे राज्य (देश) को प्रभावित करता है अत: इसकी अनिश्चितता से निपटने के लिए हमें वैश्विक उपायों जैसे, पेरिस समझौता तथा आपदाओं से निपटने के लिए प्रभावी तंत्र विकसित करना होगा।

सभी पक्षों का संतुलित वर्णन करें।

4

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

दृष्टि The Vision

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

5. "महान भारतीय मैदान की भौतिक दशाएँ संसार के अन्य भागों से कम बेहतर नहीं हैं, फिर भी यहाँ खाद्यान्न की प्रति हेक्टेयर उत्पादकता एवं कृषि दक्षता निम्नतर बनी हुई है।" विवेचन करें। 12.5
(250 शब्द)

"Physical conditions of the Great plain of India are not less better than other parts of the world Even then, agricultural efficiency and per hectare productivity of food grains has remained lower." Discuss. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

भारत के हिमालयी क्षेत्र से निकलने वाली नदियों द्वारा लाई गई गाद एकत्र होकर उत्तर भारत में एक विशाल उपजाऊ दोमट मिट्टी का मैदान बनाती है। जिसमें उर्वरक क्षमता अत्यधिक होने के कारण यहाँ जनसंख्या का संकेन्द्रण अत्यधिक होता है।

औकोलिक अवस्थिति का वर्णन करें।

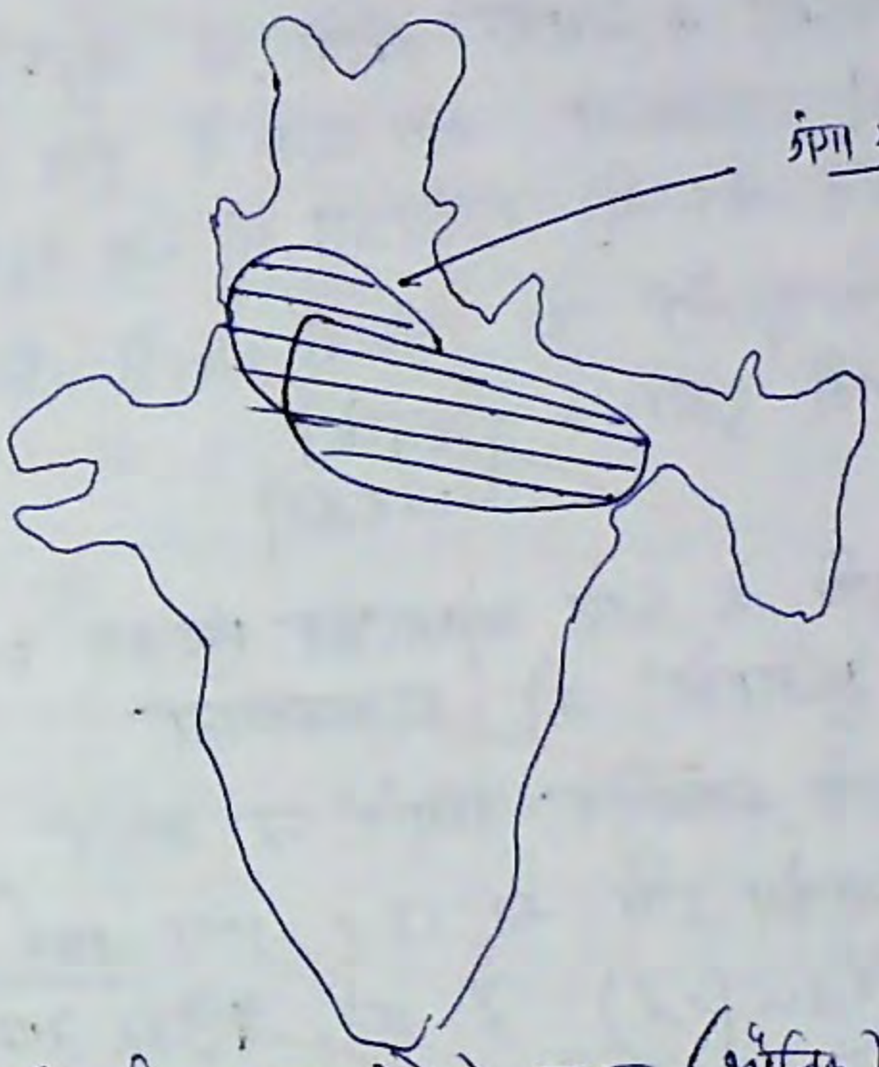

मैदान की उर्वरता उच्च होने के कारण (भौतिक)

1) दोमट मिट्टी -
2) उपयुक्त तापमान
3) जल की उपलब्धता क्योंकि हिमालयी नदियों सदानीरा वार्षिक होती है।
4) भूमि में पर्याप्त जैविक तत्वों की उपस्थिति वनस्पति होने के कारण

भौतिक विशेषताओं को भी स्पष्ट करें।

इस प्रकार हम देखते हैं कि उपरोक्त बेहतर दशाओं के बावजूद यह क्षेत्र वैश्विक तुलना में निम्न उत्पादकता रखता है

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

जिसके निम्न कारण है -

1) भारत में अधिकांश कृषक सीमांत एवं छोटे कृषक है (2 हेक्टेयर से कम) अत: इनके पास कृषि में निवेश के लिए वित्त की उपलब्धता नही (जीवन निर्वाह कृषि) साथ ही छोटी जोत का आकार भी उत्पादकता को प्रतिकूल रूप से प्रभावित करता है।

2) कृषि पर अत्यधिक बोझ → भारत में पूरा परिवार कृषि कार्यों में लगा रहता है जिससे सीमांत उत्पादकता शून्य या कम हो जाती है

3) सब्सिडी के कारण उर्वरकों का अनुपयुक्त प्रयोग भी उत्पादकता कम करता है साथ ही भूमि एवं जल की गुणवत्ता भी कम करता है।

4) भूमि सुधारों का प्रभावी रूप से क्रियान्वयन नहीं हुआ → [हदबंदी, चकबंदी]

5) कृषि के लिए आधारभूत संरचना एवं साख सुविधाओं की अनुपलब्धता

6) कृषि आधारित उद्योगों का अभाव

7) भारतीय कृषि का 53% भाग वर्षा आधारित (Rainfed) है अत: वैश्विक तापन एवं जलवायु परिवर्तन के विपरीत प्रभावों के कारण मानसून में अनिश्चितता

- कृषि-विस्तार सेवाओं का अभाव
- पट्टेदारी की अनिश्चितता

उपरोक्त विवरण से स्पष्ट है कि कृषि में उत्पादकता को बढ़ाने के लिए हमें उपरोक्त कमियों को दूर करने के लिए प्रयास करते होंगे -

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

जैसे - भू सिंचाइयों को प्रभावी रूप से लागू करना
कृषि का मशीनीकरण
- सामूहिक कृषि, Contract farming संविदा
- सिंचाई के लिए नई तकनीकी का प्रयोग ताकि जल संरक्षण Microdrip,
- Precise ~~irrigat~~ farming
- मनरेगा आदि कार्यक्रमों द्वारा कृषि के लिए स्थायी निर्माणों का प्रावधान

○ फसलों का बेहतर चक्रण
○ दोहरी फसल पद्धति

5

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
						✗	
Marks	1/4	2	2	1/2			
Grade	B	B	B	A			

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

6. मानव जनित वर्षा (Man-induced Precipitation) की प्रक्रिया को स्पष्ट करें। क्या इस विधि को भारत के सूखाग्रस्त क्षेत्रों में व्यवहृत करना धारणीय है? (250 शब्द) 12.5

Explain the process of man-induced precipitation. Is this method sustainable to treat drought-hit areas of India? (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

मानव जनित वर्षा का अर्थ है मानव द्वारा वर्षा की दशाओं को उत्पन्न कर कृत्रिम रूप से वर्षा कराना। वर्तमान अकाल एवं सूखा आदि की ~~बारंबारता~~ के कारण इसकी आवश्यकता पर बल मिला है।

प्रक्रिया :-

कृत्रिम वर्षा के लिए सिल्वर आयोडाइड या कृत्रिम वर्षा (CO_2) का प्रयोग किया जाता है इसे दो तरह से -

1) या तो बड़े बड़े पम्प की सहायता से
2) या तो वायुयानों की सहायता से बादलों के ऊपर छिड़का जाता है जिससे उसकी संतृप्तता बढ़ जाती है और कृत्रिम वर्षा होती है।

- कृत्रिम वर्षा के लिए कुछ दशाओं का होना आवश्यक है जैसे a. वायु का सापेक्ष आर्द्रता का स्तर 30% से कम नहीं होना चाहिए अन्यथा, इन उपायों से भी वर्षण सम्भव नहीं होगा।

क्या यह भारतीय परिस्थितियों में धारणीय है -

भारत के संदर्भ में क्लाउड सीडिंग के उपयोग के पक्ष एवं विपक्ष में तर्क दें और स्पष्ट करें।

चूंकि यह तकनीक काफी महंगी है अतः अभी भारत में इसका व्यापक प्रयोग नहीं किया जा सकता लेकिन हां गंभीर रूप से सूखे से ग्रस्त क्षेत्र में इसका प्रयोग किया जाना चाहिए।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

नई तकनीक के प्रयोग एवं अनुसंधान के प्रयासों के साथ साथ हमें Sustainable Development एवं जल संरक्षण की विधियों पर भी महत्वपूर्ण रूप से ध्यान देना चाहिए —

1) सूखा ग्रस्त क्षेत्रों में जल संरक्षण की तकनीकों का प्रयोग जैसे · ड्रिप सिंचाई Precise irigation, स्प्रिंकलर आदि

2) जल गहन फसलों को कम लगाना जैसे गन्ना · उदाहरण के लिए महाराष्ट्र के विदर्भ में गन्ना की खेती के कारण सूखे की स्थिति और गंभीर हुई है

3) वनीकरण, जल संभरण की तकनीक

4) Command Area development Program को प्रभावी रूप से क्रियान्वित करना

5) सूखा प्रतिरोधक खेती एवं वनस्पति को प्रोत्साहित करना

6) वर्षा जल संचय तकनीक को प्रभावी रूप से विकसित करना।

7) भौमिक ताप को कम करने के प्रयास ·

इस प्रकार हम देखते हैं कि उपरोक्त उपायों को अपनाने के बाद ही हम मानवजनित आपदाओं से प्रभावी रूप से निपटने में सक्षम हो पायेंगे।

6

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

7. "कश्मीर से कन्याकुमारी तथा असम से कच्छ तक असम्मित भू-आकृतिक लक्षणों के कारण भारत में बाढ़ के स्वरूप एवं कारकों में अलग-अलग क्षेत्रों में भिन्नता होती है, जिसका समाधान वस्तुनिष्ठ दृष्टिकोण अपनाने में निहित है।" टिप्पणी करें। (250 शब्द) 12.5

"Due to asymmetric geomorphological features, there is a difference in the nature and factors of floods in various areas from Kashmir to Kanyakumari and Assam to Kutch and its solutions are inherent in an objective approach." Comment. (250 words) 12.5

भारत में बाढ़ मानसून की अनिश्चितता के कारण एक भयावह आपदा के रूप में उभरी है। जो लगभग भारत के सभी क्षेत्रों को प्रभावित करती है।

भारत में बाढ़ के कारण

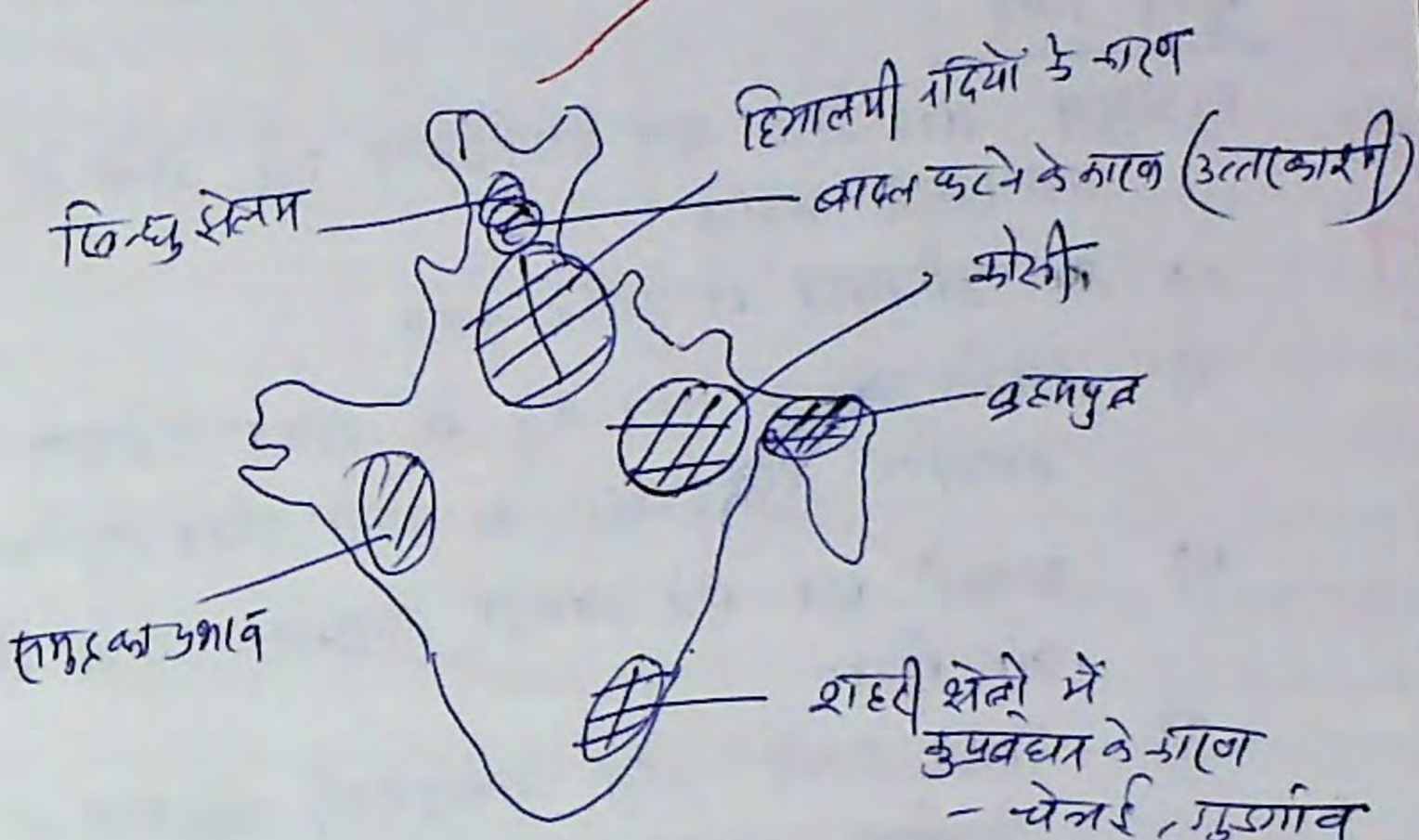

1) हिमालयी नदियों में - जलस्तर बढ़ने के कारण, वैश्विक तापन के कारण
बाँधों से अतिरिक्त जल को अचानक छोड़ने के कारण

2) असम, बंगाल → कोसी नदी में भौगोलिक संरचना ऐसी है कि ढाल भारत की तरफ हिमालय का तीव्र है अतः वर्षाकाल में भीषण

3) महानगरों में - स्थानीय निकायों के कुप्रबंधन एवं Planned तरीके से न बसने के कारण

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

5) अधिकांश क्षेत्रों में भारी वर्षा बाढ़ का कारण होती है।
6) बादल के फटने के कारण - कम समय में तीव्र वर्षा उत्तराखंड

बाढ़ प्रवण क्षेत्र एवं उत्तरदायी भू-संरचनात्मक कारकों को और स्पष्ट करें।

इस प्रकार हम देखते हैं कि वर्षा के भिन्न भिन्न क्षेत्रों में अलग अलग कारण है अत: उनको समस्याओं के आधार पर ही प्रभावी प्रबन्धन किया जा सकता है।

मुख्य उपाय -

1) प्रमुख बाढ़ क्षेत्रों का मानचित्रण एवं लोगों में जागरूकता बढ़ाना

मौजूदा बाढ़ प्रबंधन तंत्र?

2) पूर्वानुमान को सटीक बनाना
3) आपदा प्रबंधन राहत बल को उचित प्रशिक्षण एवं सरकारों तथा NGO के बीच उचित तालमेल
4) आपदा पूर्व एवं आपदा उपरान्त उपायों की मॉक ड्रिल
5) सुरक्षा उपायों जैसे आपदारोधी संरचनाओं का निर्माण, खाद्य सुरक्षा, राहत शिविर एवं इत्यादि का प्रबंधन करना
6) नदियों के मार्ग पर आवासीय संरचनाओं को हटाना
7) स्थानीय निकायों द्वारा उचित जल निकासी का प्रबंध

उपरोक्त कदमों द्वारा हम आपदा के प्रभावों को न्यूनीकृत कर पायेंगे।

4

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

8. तीव्र शहरीकरण अपने साथ प्रचुर मात्रा में चुनौतियाँ लाता है, 'नया विकास एजेंडा' इन चुनौतियों का किस प्रकार स्थानीय, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सामना करता है? (250 शब्द) 12.5

Rapid urbanization brings with it enormous challenges, How 'New development Agenda', addresses these challenges at local, national and international level? (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

वर्तमान वैश्वीकरण के दौर में कुछ क्षेत्र विकास का इंजन बन गये हैं अत: स्वभाविक है कि लोगों का पलायन ग्रामीण क्षेत्रों से इन शहरी क्षेत्रों की तरफ हुआ है, इससे तीव्र शहरीकरण हुआ है।

शहरीकरण ?

तीव्र शहरीकरण में कम समय में अधिक लोगों की आवक के कारण इसका विकास सुनियोजित तरीके से नहीं हो पाता है इस कारण यह अपने साथ अनेक चुनौतियाँ भी लाता है — • आपदा के लिए सुभेद्य.

1) संसाधनों पर बोझ जैसे पेयजल, बिजली आदि की समस्या

2) slums दलित मलिन बस्तियों का विकास

3) सामाजिक अवसंरचनाओं पर बोझ - शिक्षा, स्वास्थ्य परिवहन आदि पर

4) गरीबी, बेरोजगारी के साथ साथ भ्रष्टाचार एवं नैतिक पतन भी बढ़ता है।

• कचरा निस्तारण
• शहरी अपराध

अत: वर्तमान में प्रस्तावित 'नया विकास एजेंडा' में इन चुनौतियों को गंभीरता से लेते हुए इससे निपटने के समन्वित प्रयासों पर जोर देने की बात की है।

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर · शहर विकास एवं आवास निर्माण आदि के अच्छे उपागमों तथा तकनीकों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर साझा करता

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

राष्ट्रीय स्तर पर :- समावेशी विकास के कार्यक्रम चलाना ताकि जनसंख्या का एकत्रण न हो
जैसे SMART City, AMRUT योजना
श्यामा प्रसाद मुखर्जी रूर्बन योजना
- सभी नगरों को आत्मनिर्भर बनाने पर जोर

स्थानीय स्तर पर - चूंकि भारत कृषि प्रधान देश है अत: यहां कृषि पर बोझ ज्यादा होने के कारण लोग शहरों की ओर पलायन करते हैं अत: पलायन रोकने के लिए कृषि आधारित उद्योगों, खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों, MSMEs का विकास ताकि स्थानीय स्तर पर ही रोजगार उपलब्ध कराकर समावेशी विकास के साथ शहरों पर बोझ को कम किया जा सके।

न्यू अर्बन एजेंडा की विशेषताओं को और स्पष्ट करें।

उपरोक्त से स्पष्ट है कि शहरीकरण की चुनौती से निपटने के लिए सभी स्तरों पर समन्वित कार्यवाही करनी होगी तभी वांछित प्रतिफल प्राप्त होंगे।

5

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

10. 'गुड वाटर गवर्नेंस' धारणीय जल विकास हेतु एक नई संकल्पना है। गुड वाटर गवर्नेंस देश के निर्माण में भारत के प्रयासों का परीक्षण कीजिये। (250 शब्द) 12.5

'Good water governance' is a new concept for sustainable water development. Examine attempts of India to become good water governance country. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

जल संसाधन और सेवाओं के आवंटन में समानता तथा दक्षता।

वर्तमान में प्रतिव्यक्ति जल की उपलब्धता एवं उपभोग में अन्तर लगातार विकराल होता जा रहा है। अतः जल संरक्षण के लिए अनेक प्रयास हो रहे हैं, उन्हीं में से एक है Good water governance.

गुड वाटर गवर्नेंस का अर्थ है जल का प्रभावी एवं सधारणीय उपयोग सुनिश्चित करना।

आयामों का उल्लेख करें।

भारत द्वारा इस क्षेत्र में किए गये प्रयास -

1) शहरों में घरेलू सबमर्सिबल पर रोक (महानगरों में)
2) ग्रामीण क्षेत्रों में जल संरक्षण के उपाय -
   वर्षा जल संचयन के लिए तालाबों का निर्माण
   - Command Area development Programme

भारत में जल की वर्तमान स्थिति?

3) कृषि में सिंचाई के लिए जल संरक्षण तकनीकों के प्रयोग को प्रोत्साहन
   - Drip irrigation
   - Precise farming
   - Sprinkler
4) वर्तमान फसल सिंचाई योजना भी जल संरक्षण पर आधारित है जिसका आदर्शवाक्य है
   Per drop More crop.
5) रेन वाटर हार्वेस्टिंग तकनीक का विकास
6) इसके अतिरिक्त पर्यावरण संरक्षण के उपायों के लिए सहमति जैसे पेरिस समझौता

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

7) जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए आठ कार्यक्रमों का प्रावधान

इस प्रकार हम देखते हैं कि यदि उपरोक्त कार्यक्रमों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित कर सके तो जल के धारणीय विकास के लक्ष्य को हम प्राप्त कर पायेंगे।

सभी पक्षों पर चर्चा करें।

2½

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

11. प्रायद्वीपीय भारत की तुलना में उत्तर भारत में नहरों द्वारा सिंचाई की व्यापकता अधिक क्यों है? दक्षिण भारत में प्रचलित सिंचाई के विभिन्न साधनों की विवेचना कीजिये। (250 शब्द) 12.5

Why Canal irrigation in Northern India is more widespread as compared to Peninsular India? Discuss the different means of irrigations practiced in South India. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

कारण -

1) भारत का प्रायद्वीपीय भाग कठोर चट्टानों से निर्मित होने के कारण वहां पर नहरों का निर्माण कठिन है।

2) भारत के प्रायद्वीपीय भाग में हिमालयी ~~नदियों~~ की भांति सदानीरा नदियों के ~~अभाव~~ के कारण नहरें उतनी लाभदायक ~~नहीं है~~

कारणों को और स्पष्ट करें।

जबकि उत्तरी भारत में सदानीरा नदियों (गंगा, सिन्धु, यमुना) के कारण तथा ~~कठोर~~ चट्टानों की अनुपस्थिति ~~की~~ के कारण नहरों का विकास ज्यादा हुआ है। अत: ~~दक्षिण~~ के ..

दक्षिण भारत में प्रचलित सिंचाई के विभिन्न साधन -

1) तालाब - दक्षिण भारत में कठोर चट्टानों में पानी भरने के कारण अनेक तालाब हैं।

तालाब सबसे प्रमुख साधन

2) ट्यूबवेल द्वारा - सबसे ज्यादा सिंचाई इसी के द्वारा होती है।

3) वर्षा आधारित खेती - वर्षा पर आश्रित

4) नदियों के तटों पर नदियों द्वारा तटबंध बनाकर जैसे गोदावरी, कावेरी, कृष्णा आदि

• नहरों द्वारा भी सिंचाई

दक्षिण भारत में इसीलिए ~~अ~~ अभी भी ~~कुछ~~ मोटे अनाजों का उत्पादन ज्यादा होता है।

सिंचाई की पर्याप्तता दक्षिण भारत में भी बढ़ाने के लिए नदी जोड़ो परियोजना की शुरुआत की गई है ताकि उत्तर भारत की सदानीरा तथा दक्षिण भारत की वार्षिक नदियों

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

को जोड़कर कृषि का विकास हो साथ ही, बाढ़ एवं सूखा जैसे आपदाओं से भी निपटा जा सके। अभी यह परियोजना फिलहाल आंशिक चरण में है।

विषय वस्तु का अध्ययन करें।

2½

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

12. "भारत जल प्रबंधन में अभूतपूर्व चुनौतियों का सामना कर रहा है।" उक्त कथन की पृष्ठभूमि में राष्ट्रीय जल आयोग की आवश्यकता तथा केन्द्रीय जल आयोग और केन्द्रीय भूजल बोर्ड की पुनर्संरचना का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिये। (250 शब्द) 12.5

"India faces unprecedented challenges in water management." In the background of above statement critically examine the need for National Water Commission (NWC) and restructuring of Central Water Commission and Central Ground Water Board. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

भारत में निरन्तर घटते जलस्तर के कारण भारत की जलप्रबंधन की नीतियों पर सवालिया निशान लगना लाजिमी है। भारत में भूमि जल का अधिकतम भाग सिंचाई एवं उद्योगों के रूप में उपयोग होता है।

जल प्रबंधन में चुनौतियां ·

1) खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सिंचाई के साधनों को बढ़ाना होगा लेकिन इससे जलस्तर निरंतर कम हो रहा है।

2) औद्योगिक विकास के लिए जल की आवश्यकता। चूंकि विकास को बाधित नहीं किया जा सकता है अतः हमें जल संरक्षण की नई तकनीकों का विकास करना होगा।

3) जनसंख्या का तीव्र वेग एवं बढ़ते शहरीकरण ने जल प्रबंधन में चुनौती बढ़ाई है

4) न केवल मात्रात्मक बल्कि गुणात्मक रूप से जल संसाधन का क्षरण हुआ है जैसे जल में नाइट्रोजन एवं अन्य विषाक्त पदार्थों की उपस्थिति कारण - सम्मिश्रितयुक्त यूरिया

• असीमित जल का अनुचित प्रबंधन
• जलस्तर तथा जल की गुणवत्ता की जांच
• सूखा तथा किसानों की आत्महत्या
• जल की मांग में वृद्धि

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

इस क्रम हम देखते हैं कि इन चुनौतियों से निपटने के लिए हमें एक ऐसी समेकित संस्था की आवश्यकता है जो जल संसाधन के प्रभावी उपयोग का न केवल नियमन करे बल्कि उसका Monitoring भी करे। इसके लिए ~~केन्द्रीय~~ राष्ट्रीय जल आयोग बनाने का प्रस्ताव है। इसमें Surface water (तल पर) एवं भूगर्भीय जल की नियामक संस्थाएँ भी होंगी ताकि समन्वित रूप से जल संसाधन के लिए प्रभावी नीति का निर्माण किया जा सके।

पुनर्वित की आवश्यकता को और स्पष्ट करें।

जल को समवर्ती सूची में भी लाना चाहिए ताकि केन्द्र और राज्य दोनों अपनी स्थानीय आवश्यकताओं के अनुसार नियमन कर सकें।

जल का संरक्षण अत्यंत आवश्यक है जिससे उपयोगीय विकास सुनिश्चित किया जा सके।

विषय वस्तु का अद्यतन है।

1 1/2

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

13. शहरों के बाह्य क्षेत्र कचरे के पहाड़ों में तब्दील होते जा रहे हैं। किस तरह जैवोपचार प्रक्रिया शहर आधारित कचरे से निपटने में सहायक है? (250 शब्द) 12.5

Outskirt areas of cites are becoming hills of garbage. How bioremediation process can help in dealing with a city laid waste? Discuss. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

वैश्वीकरण के दौर में रोजगार की उपलब्धता के कारण तीव्र शहरीकरण हुआ है। परिणामस्वरूप शहरों से निकलने वाले अवशिष्ट कचरा की मात्रा में भी वृद्धि हुई है लेकिन इसके प्रबंधन की कोई विशेष व्यवस्था न होने के कारण इसे शहरों के बाहर खाली क्षेत्रों में खुले में फेंक दिया जाता है जिससे न केवल गंदगी, एवं स्वच्छता पर विपरीत प्रभाव पड़ता है साथ ही समाज में बीमारियों का केस भी बढ़ता है।

लैंडफिल के कारणों को और स्पष्ट करें तथा प्रभाव को भी स्पष्ट करें।

<u>अपशिष्ट निपटान हेतु उपाय:-</u>

1) अपशिष्ट का संग्रहण के चरण में पृथक्करण ताकि Recyclable कचरे का उपयोग किया जा सके एवं बाकी कचरे को उनके लिए मानक तरीके से निपटान किया जाय। इसके लिए लोगों में जागरूकता बढ़ानी होगी। Colour Coding द्वारा ऐसा किया जा रहा है, कुछ शहरों एवं व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में। इससे पर्यावरण पर विपरीत प्रभाव तो पड़ता है मगर उसकी मात्रा कम है

2) अपशिष्ट प्रबंधन का जो सबसे बेहतर तरीका है वह है जैविक उपचार इसमें भी पृथक्करण करते हैं और इसे
- जैविक रूप से अपघटित होने वाला
- पुर्नउपयोग योग्य
- अन्य विधियों द्वारा निस्तारण

के आधार पर बाँट दिया जाता है। हम विकसित देशों के अनुभव से देखते हैं कि कचरे का लगभग <u>60%</u> भाग जैविक रूप से अपघटित

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

किया जा सकता है जिससे न केवल निपटान की लागत कम आयेगी साथ ही पर्यावरण की भी रक्षा हो जायेगी अतः यह Sustainable dev. के लिए सबसे अनुकूल है।

जैव उपचार को और स्पष्ट करें।

- जैवोपचार के लिए बैक्टीरिया उपयोग किया जाता है जैसे, क्लोस्ट्रिडियम, इत्यादि इस विधि को Bioremediation कहते हैं। ~~इसके द्वारा~~

अतः कचरा प्रबन्धन के लिए इन विधियों का प्रयोग करने के लिए हमें प्रशिक्षित स्थानीय ~~म्यूनिसिपल~~ नगर निगम की आवश्यकता होगी। साथ ही कचरे के पृथक्करण के लिए लोगों को जागरूक भी करना होगा

$2\frac{1}{2}$

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

14. किस प्रकार अवैध रेत खनन नदियों की पारिस्थितिकी व जनजीवन को प्रभावित कर रहा है, आलोचनात्मक परीक्षण कीजिये तथा रेत खनन दिशा-निर्देशों के मुख्य बिन्दुओं की व्याख्या कीजिये। (250 शब्द) 12.5

Critically examine how illegal sand mining is affecting the ecology of rivers and lives of people. Also explain the highlights of Sand Mining Guidelines. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

रेत की उपयोगिता तथा अवैध खनन को और स्पष्ट करें।

भारत में अवैध रेतखनन नदियों के संरक्षण के लिए एक चुनौती है इससे न केवल नदी तंत्र पर विपरीत प्रभाव पड़ता है बल्कि वहां की पारिस्थितिकी एवं उस पर निर्भर लोगों के जीवन पर भी दुष्प्रभाव पड़ता है।

रेतखनन - आधारभूत संरचना के लिए रेत की आवश्यकता के लिए किया जाता है लेकिन निर्धारित सीमा से ज्यादा मात्रा या ज्यादा क्षेत्र में खनन करने को अवैध खनन कहते हैं। नदी द्वारा पहाड़ों से अपने

1) साथ लायी रेत को ज्यादा मात्रा में निकालने से नदी मार्ग परिवर्तित होने का खतरा बढ़ जाता है जो बाढ़ इत्यादि का कारण बन सकता है। ~~नदी मार्ग~~ परिवर्तित होने से नदी तट पर स्थित पारिस्थितिकी एवं जनजीवन विपरीत रूप से प्रभावित होता है।

अवैध खनन के प्रभाव को और स्पष्ट करें।

2) अवैध खनन से स्थानीय प्रदूषण एवं वनस्पति का विनाश भी होता है जिससे स्थानीय नागरिकों की बीमारी का भार बढ़ता है जैसे श्वसन सम्बन्धी समस्यायें

3) अवैध खनन की प्रक्रिया अक्सर चोरी से रात में होती है जिससे तटीय जनजीवन एवं प्राणी प्रभावित होती हैं।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

हाल ही में रेत खनन से सम्बन्धित दिशा निर्देश जारी किये गये है जो अवैध खनन करने वाले ठेकेदार का पट्टा रद्द करने तथा सजा के साथ ही साथ भविष्य में भी उसे रेत खनन का ठेका न देने की अनुशंसा करता है।

- साथ ही स्थानीय क्षेत्र के विकास के लिए भी कुछ धन का प्रावधान करता है ताकि ऐसे क्षेत्रों में पीड़ितों के विकास एवं सामाजिक सुरक्षा के लिए कुछ कदम उठाये जा सके।

दिशा-निर्देशों का अध्ययन करें।

विषय वस्तु का अध्ययन करें।

3

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

15. पेरिस समझौते की महत्ता लिखिये तथा अमेरिका के इससे अलग हो जाने के बाद विकासशील देशों पर इसका क्या प्रभाव होगा? (250 शब्द) 12.5

Write down the significance of the Paris agreement and what will be its impact on developing countries as USA has withdrawn from the agreement. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए 2015 में पेरिस समझौता हुआ जो 55 देशों की स्वीकृति के बाद लागू हो गया है। इसमें क्योटो प्रोटोकोल जो इसके पूर्व की सन्धि थी के विपरीत सभी देशों की जलवायु परिवर्तन से निपटने में भागीदारी सुनिश्चित करती है।

जहाँ क्योटो प्रोटोकाल में विकसित देशों पर greenhouse गैस के उत्सर्जन को कम करने की बाध्यता थी वहीं अब पेरिस समझौते में INDC के रूप में जलवायु परिवर्तन को कम करने में सभी देश सहयोग करेंगे।

इसकी वित्तीय निर्भरता कम करने के लिए GCF नामक एक फंड बनाया गया है जो विकासशील एवं अल्पविकसित देशों को विकसित देशों द्वारा 2020 तक प्रतिवर्ष 100 अरब डालर देने की बात करता है।

इस प्रकार हम देखते है कि पेरिस समझौता यदि प्रभावी रूप से लागू हुआ एवं राष्ट्रों ने अपने INDC के अनुसार नीतियाँ एवं लक्ष्य प्राप्त किये तो हम पूर्व औद्योगिक तापमान से 1°C के लक्ष्य को प्राप्त करने में सक्षम होंगे।

हाल ही में ट्रंप के अमेरिकी राष्ट्रपति बनने के बाद ट्रंप द्वारा भारत एवं चीन जैसे विकासशील देशों पर अतिरिक्त मदद का आरोप लगाते हुए इस संधि से बाहर जाने की बात की गई है। इससे इस

कुछ प्रावधान बताइये

समझौते के महत्व को और स्पष्ट करें।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

संधि पर प्रश्नचिह्न लग गये हैं।

निश्चित तौर पर अमेरिका जैसे शक्तिशाली राष्ट्र के इससे निकलने तथा इसका अनुसरण अन्य विकसित राष्ट्रों द्वारा करने की संभावना से पेरिस संधि भी उतनी प्रभावी नहीं हो पायेगी।

फिर भी जो देश इसमें शामिल हैं उन्हें इस संधि को अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा करने का प्रयास करना चाहिए। शेष विश्व जलवायु परिवर्तन के प्रति एकजुट है।

~~विकासील~~ विकासशील देशों पर प्रभाव को और स्पष्ट करें।

4

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

16. हाल ही में भारतीय तटों पर तेल रिसाव की कई घटनाएँ हुईं। तेल रिसाव कम करने की चुनौतियों और तरीकों को दर्शाइए। (250 शब्द) 12.5

Recently incidences of oil spills took place on Indian shores. Depict challenges and methods for mitigating oil spill. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

हाल ही में वैश्विक व्यापार में वृद्धि के कारण समुद्री मार्गों पर दुर्घटनाओं की संख्या बढ़ी है। जैसे वर्तमान में कलकत्ता एवं मुम्बई के पास दो जहाजों के टकराने से तेल रिसाव की घटना।

आयल स्पिल ?

तेल रिसाव से न केवल समुद्री पारिस्थितिकी बल्कि मानव एवं तटीय क्षेत्र के लोग दुष्प्रभावित होते हैं।

तेल रिसाव कम करने की चुनौतियां एवं तरीके –

1) तेल रिसाव के लिए जिम्मेदार संस्था/लोगों पर ही इसके निपटान का भार डालना ताकि वे भविष्य में लापरवाही से ऐसा न करें।

आयल स्पिल के प्रभाव को स्पष्ट करें।

2) तेल रिसाव से थोड़ी ही देर में सतह पर तेल फैल जाता है इससे समुद्री जीव एवं वनस्पतियां मृत हो जाती है। (जैव विविधता में कमी) अतः इसे रोकने के तात्कालिक उपाय जैसे oil zapper (जैप) तथा Bioremediation तकनीक जिसमें जीवाणुओं द्वारा (Clostridium etc) द्वारा तेल को सरल टुकड़ों में काट दिया जाता है।

ऑयल स्पिल के प्रति अनुक्रिया की चर्चा करें।

3) अवशोषक पदार्थों को सतह पर डालकर सोखना

4) नई तकनीकों के विकास के लिए अंतर्राष्ट्रीय सहयोग पर बल देना। इसके लिए (UNCLOS) ने दिशा निर्देश जारी किये हैं।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

5) भारत ने भी तटीय क्षेत्र प्रबंधन प्राधिकरण का निर्माण किया है ताकि ऐसी समुद्री आपदाओं से निपटा जा सके। इसके लिए परिसीमित स्थान को बनाता

भारत के प्रयास को और स्पष्ट करें।

विषय वस्तु का अध्ययन करें।

$2\frac{1}{2}$

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

17. आपदा जोखिम न्यूनीकरण हेतु सेंडाई फ्रेमवर्क तथा भारतीय उपमहाद्वीप को आपदा मुक्त करने में भारत की भूमिका का विश्लेषण कीजिये। (250 शब्द) 12.5

Analyze the Sendai Framework in disaster risk reduction and India's role in making Indian Subcontinent disaster free. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

आपदा प्रबंधन के लिए वैश्विक दिशानिर्देश (2015-2030) के लिए सेंडाई फ्रेमवर्क कहे जाते हैं इसमें आपदा से निपटने के लिए अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय एवं स्थानीय स्तरों के साथ तालमेल को महत्वपूर्ण माना है। क्योंकि आपदाएं किसी एक देश या क्षेत्र में ही नहीं बल्कि एक साथ कई देशों को प्रभावित करती हैं।

साथ ही सभी देशों की आपदा से निपटने की क्षमता में भी अंतर होता है अतः मानवीय एवं नैतिक दृष्टिकोण से भी सक्षम देश को कमजोर देश की आपदा में राहत देने का प्रयास करना चाहिए। लक्ष्यों एवं कार्य की प्राथमिकताओं का स्पष्ट उल्लेख करें।

भारतीय उपमहाद्वीप में भारत की भूमिका :-

भारत इस क्षेत्र में नया चैम्पियन बन कर उभरा है। भारत ने पिछले वर्ष जहां विशाखापत्तनम में सुनामी से प्रभावी रूप से निपटने में सफलता पाई थी। इसलिए पड़ोसी देश भारत की ओर बड़ी आशा के साथ देखते हैं। भारत ने भी आपदा में राहत के लिए हर संभव प्रयास किया है जैसे -

- नेपाल में आपरेशन राहत
- मालदीव में जल संकट के समय
- बांग्लादेश में बाढ़ के समय
- पाकिस्तान में बाढ़ के समय आपसी दुश्मनी भूल कर मदद की पेशकश

• सार्क उपग्रह
• SDMC का गठन
• SAAD MEx-2015 का आयोजन

भारत द्वारा आपदा प्रबंधन में नेतृत्व का कारण

1) तकनीकी क्षेत्र में उत्कृष्टता।
2) डाटा की विश्लेषण करने के लिए उपग्रह एवं IT क्षमता
3) नाविक द्वारा भी मदद

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

4) NDRF का प्रावधान

इस प्रकार हम देखते है कि आपदा प्रबंधन ~~क~~ के क्षेत्र में भारत नया चैम्पियन बन कर उभरा है।

2½

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

18. "आपदाएँ स्थानीय की बजाय वैश्विक हो चुकी हैं तथा राजनीतिक संरचना को स्थानीय नियंत्रण और तंत्र से बचकर निकलते हुए देखा जा सकता है।" टिप्पणी कीजिये। (250 शब्द) 12.5

"Disasters have become a global rather than a local issue and the political infrastructure may be seen to bypass local control and system." Comment. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

वर्तमान जलवायु परिवर्तन एवं वैश्विक तापन के दौर में न केवल आपदाओं की संभावना में वृद्धि हुई है बल्कि उनके विकल्प में भी वृद्धि हुई है। अतः अब एक आपदा केवल एक देश को न प्रभावित करके सम्पूर्ण क्षेत्र को प्रभावित करती है क्योंकि वैश्वीकरण के कारण सभी देशों के हितों आपस में जुड़ गये हैं।

आपदा को परिभाषित करें।

इसीलिए आपदा प्रबंधन के सेंडाई फ्रेमवर्क जो 2015-2030 के लिए है में आपदा के समुचित प्रबंधन के लिए अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय एवं स्थानीय सरकारों के साथ सहयोग पर बल दिया गया है। साथ ही इसमें NGO के सहयोग की भी बात है।

स्थानीय नियंत्रण से बाहर क्यों।

क्योंकि आपदा का पूर्वानुमान, तथा प्रबंधन स्थानीय नियंत्रण द्वारा सम्भव नहीं है क्योंकि स्थानीय सरकारों के पास न इतने संसाधन है और न ही इतनी सक्षमता अतः आपदा प्रबंधन में वैश्विक सामंजस्य आवश्यक है।

सरकार की भूमिका का उल्लेख करें।

सभी पक्षों की चर्चा करें।

$1\frac{1}{2}$

विषय वस्तु का अध्ययन करें।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

19. क्या आप सहमत हैं कि 'उदयपुर घोषणा' आपदा प्रबंधन की दिशा में एक बड़ा कदम है? इस बैठक के दौरान ब्रिक्स राष्ट्रों के सम्मुख आपदा की चुनौतियों के मुद्दे का सामान्य सूत्र उजागर किया गया। अपने उत्तर के पक्ष में तर्क दें। (250 शब्द) 12.5

Do you agree that the 'Udaipur Declaration' is a major step towards disaster management while the meeting laid bare the common thread of challenges on disaster issues faced by all the BRICS nations? Give arguments in favor of your answer. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

ब्रिक्स देशों के प्रतिनिधियों ने आपदा के प्रबंधन के लिए उदयपुर घोषणा की। इसके अन्तर्गत उन्होंने आपदाओं से निपटने के लिए निम्न बातों पर जोर दिया -

1) पूर्वानुमान के लिए सहयोग (तकनीकी)
2) प्रबंधन के लिए आपसी सहयोग तथा प्रशिक्षण
3) आपदा के समय एवं पश्चात पुनर्निर्माण के लिए ब्रिक्स बैंक द्वारा सहायता
4) आपदा प्रबंधन के अनुभवों को साझा करके आपदाओं द्वारा क्षति को कम करना

अतः स्पष्ट है कि उदयपुर घोषणा से ब्रिक्स देशों को आपदा से प्रभावी रूप से निपटने में मदद मिलेगी क्योंकि सभी देश शक्तिशाली देश हैं एवं तकनीकी रूप से सक्षम हैं अतः नई तकनीकियों के आदान प्रदान, डेटा के विनिमय, पूर्वानुमान में सुधार से स्थिति बेहतर होगी।

— सभी पक्षों की चर्चा करें।

1

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

*इसमें **बीस** प्रश्न हैं तथा **हिन्दी** और **अंग्रेजी** दोनों में छपे हैं।*

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने दिये गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।

प्रश्न-सह-उत्तर-पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:

*There are **TWENTY** questions printed both in **HINDI** and in **ENGLISH**.*

All the questions are compulsory.

The number of marks carried by a question is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

रफ कार्य के लिये स्थान

(Space for Rough Work)

Copyright – Drishti The Vision Foundation